राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संगोष्ठी

विषय- अनुपात विभिन्नता एवं समसामयिक भारतीय समाज : एक समाजशास्त्रीय चुनौती

15 अक्टूबर 2011

पंजीयन फार्म

नाम.....

पद.....

संस्था.....

पत्र व्यवहार का पता.....

.....

.....

दूरभाष.....फैक्स.....

ई-मेल.....

शोधपत्र का शीर्षक .....

.....

क्या स्लाइड या ओवर हेड प्रोजेक्टर का प्रयोग करेंगे । हाँ/नहीं

हस्ताक्षर

नोट- यदि आवश्यक हो तो अन्य प्रतिभागी पंजीयन फार्म की फोटोकॉपी कराकर अपना पंजीयन फार्म भेज सकते हैं ।

राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संगोष्ठी

विषय- अनुपात विभिन्नता एवं समसामयिक भारतीय समाज : एक समाजशास्त्रीय चुनौती

15 अक्टूबर 2011

प्रति,

_____

_____

_____

प्रेषक-

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव

विभागाध्यक्ष एवं संयोजिका

समाजशास्त्र विभाग

सुधाकर महिला पी.जी. कालेज

खजुरी, पाण्डेयपुर, वाराणसी-221002

राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संगोष्ठी

विषय- अनुपात विभिन्नता एवं समसामयिक भारतीय समाज : एक समाजशास्त्रीय चुनौती

15 अक्टूबर 2011

डॉ. प्रभु नारायण दूबे
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव
संयोजिका

डॉ.(श्रीमती) रमा दूबे
उपसंरक्षक

श्री महेन्द्र कुमार
सह-संयोजक

आयोजक

सुधाकर महिला पी0 जी0 कालेज

खजुरी, पाण्डेयपुर, वाराणसी (30 प्र0)

PDF created with pdfFactory Pro trial version www.pdffactory.com

सुधाकर महिला पी० जी० कालेज, खजुरी, पाण्डेयपुर, वाराणसी के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 15 अक्टूबर 2011 को लिंग-अनुपात विभिन्नता एवं समसामयिक भारतीय समाज : एक समाजशास्त्रीय चुनौती विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

यदि आप इस संगोष्ठी में भाग लेकर समाजशास्त्रीय चिन्तन को नया आयाम देना चाहते हैं तो दिए गए विषयों पर अपना मौलिक और समाज वैज्ञानिक शोध पत्र तैयार कर हमें भेजें ताकि आपकी सहभागिता निश्चित की जा सके।

संगोष्ठी का विषय

चिकित्सा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अविरल नवीन प्रयोगों, अन्वेषण एवं उन्नत तकनीकि के माध्यम से जहाँ एक ओर लाइलाज समझी जाने वाली बीमारियों के निदान में अधिकाधिक संख्या में लोगों को लाभ पहुँचा है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा विज्ञान की कई नवीन तकनीकियों का अतर्कपूर्ण एवं अन्यायपूर्ण प्रयोग विविध प्रकार के कुकृत्यों को जन्म दिया है, इन्हीं कुकृत्यों में जन्म से पूर्व बालिका भ्रूण को नष्ट करना है। जिसका प्रत्यक्ष घातक प्रभाव स्त्री-पुरुष अनुपात को प्रभावित करने में दृष्टिगोचर होता है।

जनांकिकीय आँकड़े भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से घटते लिंगानुपात को 'कन्या-भ्रूण हत्या' की बढ़ती घटनाओं से अन्तः सम्बन्धित करते हैं। 2001 की जनगणना में राष्ट्रीय स्तर पर प्रति 1000 पुरुषों पर 933 महिलाएँ दर्शायी गई हैं परन्तु 0-6 आयु संवर्ग में यह अनुपात केवल 1000:927 पाया गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार यौन अनुपात 1000:940 है। लिंगानुपात की सर्वाधिक दयनीय स्थिति उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब एवं गुजरात में है।

लिंगानुपात को प्रभावित करने वाले कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम का प्रयास अंग्रेजों के शासन-काल में प्रारम्भ हो चुका था। स्थानीय कानूनों के अलावा भारतीय दण्ड संहिता में भी इस हेतु कठोर प्रावधान किए गए थे, परन्तु स्थितियों में अधिक सुधार न होता देख स्वतंत्रता के उपरान्त 1971 में गर्भपात कानून तथा 1996 में प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण नियंत्रण कानून बनाए गए। इन कानूनों एवं अधिनियमों के बनने के उपरान्त भी लिंगानुपात में विभेद की स्थिति में बहुत अधिक सुधार नहीं हो पाया है। प्रस्तुत परिचर्चा गोष्ठी में लिंगानुपात से सम्बन्धित विविध पक्षों का विश्लेषण करते हुए इससे सम्बन्धित कानूनों एवं उनकी कमियों को मूल्यांकित करते हुए उन सम्भावनाओं को तलाशने का प्रयास किया जाएगा, जिससे लिंगानुपात की विषमता को हल करने में सहयोग प्राप्त हो। प्रस्तुत संगोष्ठी के अन्तर्गत इससे सम्बन्धित निम्न पक्षों पर तथ्यगत विवेचना करने का प्रयास किया जाएगा-

1. लिंगानुपात में विषमता से सम्बन्धित जनांकिकीय परिदृश्य एवं विषमता के उत्तरदायी तथ्यों में कारणता।

2. लिंगानुपात से सम्बन्धित गर्भपात कानून एवं लिंग परीक्षण नियंत्रण की समसामयिक समाज में प्रासंगिकता।

3. लिंगानुपात को मूल्यांकित करने के साथ उन सम्भावनाओं की खोज जिसके आधार पर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

4. लिंगानुपात से सम्बन्धित नैतिक मूल्यों की स्थापना एवं सम्प्रेषण के विविध माध्यमों का प्रभाव।

5. लिंगानुपात में क्षेत्रीय विषमता एवं उसके उत्तरदायी विविध कारकों की तथ्यगत एवं नूतन आकड़ों के साथ विवेचना।

पंजीयन

संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले सहभागियों को पंजीयन शुल्क निम्न तरह से देय होगा-

1. प्रतिभागी	रुपये 200/- प्रति सदस्य
2. शोध छात्र/छात्रा	रुपये 150/- प्रति सदस्य

महत्वपूर्ण तिथियाँ

30 सितम्बर- सारांश भेजने की अन्तिम तिथि

(दो प्रतियों में)

सारांश एवं शोध-पत्र भेजने का पता

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव

विभागाध्यक्ष एवं संयोजिका

मोबाइल नं0- 9451068477, 9335527181

समाजशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय समाजशास्त्र संगोष्ठी

सुधाकर महिला पी० जी० कालेज, खजुरी, पाण्डेयपुर, वाराणसी

दूरभाष 0542 - 2586945, 2581627

email- admin@sudhakarmahilapgcollege.org.in

सदस्य आयोजन समिति

डॉ. अनिता सिंह, सुश्री अकिता तिवारी, डॉ. श्रीमती मंजू त्रिपाठी, डॉ. अवनीश पाण्डेय, डॉ. श्रीमती मनोरमा मिश्रा, डॉ. अनीश उपाध्याय, डॉ. डी. इन्दिरा, डॉ. श्याम सुन्दर मिश्र, डॉ. अनुपम पाण्डेय

महाविद्यालय की अवस्थिति-

सुधाकर महिला पी.जी. कालेज, पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी मण्डल में विश्वविख्यात श्री काशी विश्वनाथ की पवित्र नगरी एवं धवल तरंगों वाली जीवन दायिनी माँ गंगा के तट पर स्थित भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी महानगर के पूर्वोत्तर भाग में खजुरी, पाण्डेयपुर में अवस्थित है।

वाराणसी प्राचीन समय से ही शिक्षा का प्रमुख केन्द्र रहा है। इसमें महिला शिक्षा के क्षेत्र में सुधाकर महिला पी.जी. कालेज का योगदान सर्वोत्कृष्ट एवं अविस्मरणीय रहा है। विशेषकर नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में उच्च शिक्षा की कमी को पूरा करने, छात्राओं में उच्च संस्कार, राष्ट्रीयता की भावना एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति समर्पण की भावना पैदा करने हेतु संकल्पित यह महाविद्यालय अपने दायित्वों की पूर्ति करने में शत-प्रतिशत सफल रहा है और भविष्य के प्रति भी संकल्पित है। यह महाविद्यालय वाराणसी के खजुरी, पाण्डेयपुर चौराहा से सारनाथ - गाजीपुर मार्ग पर अवस्थित है।

इक्कीसवीं सदी की इस प्रासंगिक समाजशास्त्रीय संगोष्ठी में आपके मौलिक अभिव्यक्ति को सृजनात्मक की ओर जोड़ने हेतु हम आतुर हैं....... हमें आपका पूरा बौद्धिक सहयोग मिलेगा।

इसी आशा और विश्वास के साथ-

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव

संयोजिका

राष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संगोष्ठी

सुधाकर महिला पी.जी. कालेज

खजुरी, पाण्डेयपुर, वाराणसी-221007

दूरभाष- 0542-2586945, 2581627

PDF created with pdfFactory Pro trial version www.pdffactory.com